अस्तित्व की अंतिम सांसें गिन रहा प्राचीन कस्तूरी कुंड

खास बातें

- उपेक्षा की भेंट चढ़ रही सिरोंज की प्राचीन धरोहर
- संरक्षण नहीं मिला तो इतिहास बन जाएगी विरासत
- मिट्टी और मलबे में दबकर खो रही पहचान

नवभारत न्यूज

सिरोंज 25 जुलाई, कभी पहाड़ों से रिसते निर्मल जल की कल-कल ध्वनि से गूंजने वाला सिरोंज का प्राचीन कस्तूरी कुंड आज अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है. वर्षों से उपेक्षा और रखरखाव के अभाव में यह प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर धीरे-धीरे मिट्टी में समाती जा रही है. जिस कुंड का पानी कभी लोगों की प्यास बुझाता था, लोग जहां स्नान के लिए आते थे. और जहां लोगों की आवाजाही रहती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा रहता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र संरक्षण नहीं किया गया तो यह प्राचीन धरोहर आने वाले समय में यादों तक सिमटकर रह जाएगी.

सिरोंज क्षेत्र प्राकृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध रहा है. इन्हीं धरोहरों में शामिल कस्तूरी कुंड वर्षों पहले क्षेत्र के सामाजिक जीवन का हिस्सा था. पहाड़ की प्राकृतिक झिरों से रिसकर आने वाला पानी इस कुंड को जीवंत बनाए रखता था. लोग यहां स्नान करने आते थे, तो कई लोग इसके जल का उपयोग पेयजल के रूप में भी करते थे. स्थानीय लोगों के अनुसार कस्तूरी कुंड का निर्माण वर्षों पहले पत्थर, चिनखारी आदि की कारीगरी से किया गया था. कुंड के ऊपर हिस्से में चिनखारी से पहाड़ का पानी गिरता था. जो आगे बहकर केथन नदी में मिल जाता था. लेकिन समय के साथ संरक्षण नहीं मिलने के कारण चिनखारी उखड़ने लगी. पहाड़ से लगातार मिट्टी और मलबा आने से कुंड का बड़ा हिस्सा दब गया. लोग बताते हैं कि पहले इस कुंड पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचते थे. पहाड़ की झिरों से आने वाले स्वच्छ जल में लोग स्नान करते थे और इसके पानी को पीने के लिए भी उपयोग में लाते थे. इतना ही नहीं, कुंड क्षेत्र की मिट्टी को भी लोग उपयोगी मानकर अपने घर ले जाते थे. समाजसेवी दिनेश चंद्र गर्ग आध्यात्मिक ने बताया कि अब अधिकांश प्राकृतिक झिरें बंद हो चुकी हैं और कुंड की हालत लगातार बिगड़ रही है, यदि समय रहते संरक्षण नहीं किया गया तो यह धरोहर पूरी तरह नष्ट हो सकती है.

पर्यटन का बन सकता है आकर्षण केंद्र

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि कस्तूरी कुंड केवल एक प्राचीन जलस्रोत नहीं, बल्कि सिरोंज की प्राचीन पहचान है. यदि यहां सफाई, सौंदर्यीकरण, पहुंच मार्ग, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएं तो यह स्थान पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन सकता है. नागरिकों का आरोप है कि कई बार मांग उठने के बावजूद अब तक कस्तूरी कुंड के संरक्षण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस धरोहर को बचाने के प्रयास नहीं किए गए तो सिरोंज की एक प्राचीन पहचान अपना अस्तित्व हमेशा के लिए खो देगा.

इनका कहना है -

कस्तूर कुंड काफी प्राचीन है. यह सिरोंज के प्राचीन पहाड़ से निकली प्राकृतिक जलधारा है. पूर्व में लोग यहां स्नान के लिए आते थे. साथ ही लोग पीने के पानी में भी इसके जल का उपयोग करते थे. लोगों का ऐसा मानना था कि इसका जल स्वच्छ एवं प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता था. बाद में पहाड़ की मिट्टी एवं मलबे के खिसकने से यह काफी जीर्णशीर्ण हालत में हो गया. इसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण की दिशा में शीघ्र कार्य होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत को देख सकें.

दिनेश चंद्र गर्ग
आध्यात्मिक, समाजसेवी

कस्तूरी कुंड के विकास के लिये योजना बनाई जा रही है. जिसके बाद इसके विकास के लिए नपा द्वारा कार्य कराए जावेंगे.

रामप्रकाश साहू मुख्य नगरपालिका अधिकारी, सिरोंज

10 साल से नहीं सुलझा सब्जी मंडी का विवाद

- थोक-फुटकर विक्रेता, जनप्रतिनिधि और प्रशासन के बीच नहीं बन पा रही सहमति
- सड़क पर लग रही मंडी से बढ़ रहे हादसे, जाम और गंदगी से जनता परेशान

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 25 जुलाई, नगर की थोक एवं फुटकर फल-फ्रूट और सब्जी मंडी को व्यवस्थित करने का मामला पिछले करीब 10 वर्षों से अधर में लटका हुआ है. जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और थोक-फुटकर सब्जी विक्रेताओं के बीच आज तक कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी है. इसका खामियाजा शहरवासियों को रोजाना जाम, दुर्घटनाओं और अव्यवस्था के रूप में भुगतना पड़ रहा है.

वर्तमान में मिल रोड, बरेठ रोड, रेलवे स्टेशन से जय स्तंभ चौक तक सड़क के दोनों ओर फल-फ्रूट और सब्जी विक्रेता दुकानें लगाते हैं. गांधी चौक सहित कई प्रमुख मार्गों पर भी यही स्थिति बनी हुई है. सड़कों पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित रहता है और आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं. लोगों का कहना है कि पूरा शहर अब सब्जी मंडी में तब्दील होकर कबाड़खाने जैसा दिखाई देने लगा है.समस्या को और गंभीर आवारा एवं पालतू मवेशी बना रहे हैं. बीच सड़क पर बैठे मवेशी और आपस में लड़ते सांड अक्सर सब्जी की दुकानों तक पहुंच जाते हैं. कई बार दुकानदारों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है, जिससे ग्राहकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है.

सब्जी एवं फल विक्रेता कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं. विधायक, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, एसडीएम और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं. जनसुनवाई में भी शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका है. विक्रेताओं का कहना है कि प्रशासन भलाई-बुराई के डर से निर्णय लेने से बच रहा है.नगरवासियों का सुझाव है कि नवीन बस स्टैंड के पास स्थित क्षतिग्रस्त सब्जी मंडी का पुनर्विकास किया जाए. इसके अलावा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में मिनी सब्जी बाजार विकसित किए जाएं, ताकि लोगों को अपने क्षेत्र में ही फल और सब्जियां उपलब्ध हो सकें. सदर बाजार की पुरानी सब्जी मंडी और पुराने बस स्टैंड परिसर का भी उपयोग किया जा सकता है.

वर्तमान में पुरानी कृषि उपज मंडी में कीचड़ और गंदगी के बीच सब्जी बाजार लगाया जा रहा है. बरसात में चारों ओर पानी भर जाता है और गरीब दुकानदार उसी गंदगी में बैठकर कारोबार करने को मजबूर हैं. कई बार बरसाती पानी से ही सब्जियां धोई जाती हैं, जिससे स्वच्छता पर सवाल खड़े हो रहे हैं. लोगों का कहना है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो यह समस्या आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती है.

पेपर लीक के विरोध में भीम आर्मी ने दिया धरना

नवभारत न्यूज

सिरोंज, भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी कांशीराम के तत्वाधान में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना एवं भूख हड़ताल का आयोजन संभागीय संयोजक गब्बर सिंह के नेतृत्व में किया गया. धरने के उपरांत कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा. जिसमें उन्होंने गत दिनों दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच तथा पेपर लीक प्रकरण में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की. उन्होंने पेपर लीक प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने, पेपर लीक कराने वाले माफियाओं एवं उन्हें संरक्षण देने वाले लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने, देश की परीक्षा एवं भर्ती प्रणाली को पूर्णत: पारदर्शी बनाने, छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की न्यायिक जांच कराने, लाठीचार्ज का आदेश देने वाले तथा अनावश्यक बल प्रयोग करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई कराने, भविष्य में शांतिपूर्ण आंदोलन में छात्रों एवं महिलाओं के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कराने, शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले छात्रों पर दर्ज प्रकरण वापस लेने, छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार करने सहित कई मांगे रखी.

अवैध उत्खनन से बने तालाब में मगरमच्छों की दस्तक, ग्रामीणों और मजदूरों में दहशत

- वन विभाग को दी सूचना, कभी शौच के लिए इस्तेमाल होने वाला तालाब अब बना खतरे का कारण

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. ग्राम कंजना स्थित नवीन कृषि उपज मंडी के बरेठ रोड पर शासकीय भूमि पर अवैध मुरम उत्खनन के कारण बने गहरे गड्ढे अब बरसात में तालाब का रूप ले चुके हैं. इन तालाबों में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों और कृषि उपज मंडी में कार्यरत मजदूरों में दहशत का माहौल है.

ग्रामीणों के अनुसार शासकीय भूमि से लाखों रुपए की मुरम का अवैध उत्खनन किए जाने के बाद वहां गहरे गड्ढे बन गए थे, जिनमें बारिश का पानी भर गया है. हाल के दिनों में तालाब में कई बड़े मगरमच्छ देखे गए हैं, जो कभी-कभी पानी से बाहर भी निकल आते हैं. इससे आसपास के लोगों में भय व्याप्त है.बताया गया कि यह स्थान पहले ग्रामीणों और मंडी में काम करने वाले मजदूरों द्वारा खुले में शौच के लिए इस्तेमाल किया जाता था, जिसके कारण वहां गंदगी और दुर्गंध फैली रहती थी. मगरमच्छों की मौजूदगी के बाद लोगों ने वहां जाना लगभग बंद कर दिया है. बरसात के कारण क्षेत्र की सफाई हो गई है और तालाब का पानी भी साफ दिखाई दे रहा है.ग्रामीणों ने वन विभाग को मगरमच्छों की मौजूदगी की सूचना देकर उन्हें सुरक्षित पकड़कर अन्य स्थान पर छोड़े जाने की मांग की है. लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो मगरमच्छ किसी व्यक्ति पर हमला कर सकते हैं, जिससे गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है.

कब्रिस्तान भूमि विवाद पर प्रशासन सक्रिय, विधायक ने किया निरीक्षण

- कब्रों को नुकसान पहुंचाने और अतिक्रमण के आरोप
- तहसीलदार ने नोटिस जारी कर 27 जुलाई को सुनवाई तय की

नवभारत न्यूज

कुरवाई. बीना रोड स्थित चौपड़ा बाग कब्रिस्तान की विवादित भूमि पर कथित अतिक्रमण और कब्रों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है. मामला तूल पकड़ने पर क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह सप्रे ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए. इस दौरान तहसीलदार संदीप शर्मा, पुलिस एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे.

मुस्लिम समाज के लोगों ने शिकायत में कहा है कि मुबारिक अली के खेत से लगी लगभग दो बीघा भूमि उनके पुश्तैनी कब्रिस्तान की है, जो वक्फ संपत्ति है तथा मध्यप्रदेश राजपत्र में भी इसका उल्लेख दर्ज है.

आरोप है कि इस भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है. शिकायतकर्ताओं के अनुसार कब्रों को नुकसान पहुंचाया गया, खजूर के पेड़ काट दिए गए और लोगों के आने-जाने में भी बाधा डाली जा रही है.मुस्लिम पक्ष का कहना है कि विवादित भूमि को गलत तरीके से निजी स्वामित्व में दर्ज कराया गया है और उसका क्रय-विक्रय अवैध है. उन्होंने निष्पक्ष जांच कर वक्फ संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.तहसीलदार संदीप शर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मौके का निरीक्षण किया गया था. जांच के आधार पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं तथा मामले की सुनवाई 27 जुलाई को होगी. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

पेपर लीक के विरोध में युवा कांग्रेस-एनएसयूआई का प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. एसजीएस में युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई ने यूजी-नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया. जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथ में कटोरा लेकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया.प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक और अनियमितताओं से युवाओं का भविष्य संकट में है. उन्होंने सरकार से पेपर लीक पर तत्काल रोक लगाने, दोषी अधिकारियों एवं नकल माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की मांग की.इस अवसर पर पूर्व सरपंच श्रीमती विद्या यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जगदीश सुहाने, एस.एन. तिवारी, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित सिंह, नगर अध्यक्ष रविंद्र नागोरी, ब्लॉक अध्यक्ष संजय गोस्वामी, विकास यादव सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

मंदिरों में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

- शिव मंदिर व ग्राम पटरा के मंदिरों से चोरी गया 38 हजार का मशरूका बरामद,आरोपी भेजा गया जेल

नवभारत न्यूज

पठारी. नगर और आसपास के मंदिरों में हुई चोरी की वारदातों का पठारी पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 38 हजार रुपए मूल्य का चोरी गया मशरूका भी बरामद किया है.

थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह बिन्छारे ने बताया कि पहले ग्राम पटरा के मंदिरों में चोरी हुई थी, जिसके कुछ दिनों बाद पठारी के फार्म चौराहा स्थित शिव मंदिर में दिनदहाड़े पीतल के आभूषणों को सोना समझकर चोरी कर लिया गया था. घटना की सूचना फरियादी लाखन प्रजापति एवं स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी थी.पुलिस ने तत्काल फार्म चौराहा क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया. मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सोहिल पिता हमीद (38) निवासी आजाद नगर, शुजालपुर को गिरफ्तार कर लिया.पूछताछ के दौरान आरोपी ने शिव मंदिर सहित ग्राम पटरा के मंदिरों में चोरी करना स्वीकार कर लिया. उसकी निशानदेही पर मंदिर का छत्र, मुकुट, शिव मंदिर से चोरी हुई पीतल की घंटियां तथा नंदी के पीतल के सींग बरामद किए गए. बरामद मशरूका की कीमत करीब 38 हजार रुपए बताई गई है.आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 110 के तहत धारा 305 (डी) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया.कार्रवाई में थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह बिन्छारे, उप निरीक्षक केसरी प्रसाद शर्मा, प्रधान आरक्षक उत्तम सिंह, आरक्षक चंद्रहास मालवीय एवं आरक्षक सौरभ दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

पवित्र कुंड को स्वच्छ रखने की अपील

नवभारत न्यूज

सिरोंज, ग्राम पंचायत देवपुर सरपंच प्रतिनिधि एवं पवित्र तीर्थक्षेत्र बाबा विश्वनाथ धाम देवपुर मंदिर समिति से जुड़े अर्जुन राजपूत ने मंदिर परिसर में स्थित पवित्र कुंड की स्वच्छता बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं से अपील की है. उन्होंने कहा कि कई श्रद्धालु हवन-पूजन के बाद बची हुई सामग्री पवित्र कुंड में विसर्जित कर देते हैं, जिससे कुंड का जल दूषित हो जाता है. मंदिर समिति, भक्त समय-समय पर कुंडो की साफ-सफाई करते हैं. उन्होंने कहा कि आगामी पवित्र श्रावण मास में बाबा विश्वनाथ धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है. ऐसे में सभी भक्त मंदिर परिसर और पवित्र कुंड की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाये रखने में सहयोग करें.

आषाढ़ी पूजन पर महिलाओं और बच्चों ने निकाली धार्मिक यात्रा

नवभारत न्यूज

पठारी. नगर में हिंदू परंपरा के अनुसार आषाढ़ी पूजन के अवसर पर महिलाओं और बच्चों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धार्मिक यात्रा निकाली. हाथों में ध्वज लिए श्रद्धालु नगर के विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में पहुंचे, जहां चोला अर्पित किया गया, ध्वज चढ़ाए गए तथा प्रसादी का वितरण किया गया.

श्रद्धालुओं ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार वर्ष में एक बार आषाढ़ माह में नगर के सभी देवी-देवताओं का विशेष पूजन कर उन्हें चोला अर्पित किया जाता है. इस परंपरा के तहत पूजन की शुरुआत छोटी माता मंदिर एवं बड़ी माता मंदिर से हुई. इसके बाद श्रद्धालु पठार वाले हनुमान मंदिर, श्री करेली धाम परिसर, ग्राम बड़ोह के हनुमान मंदिर, बड़ी माता मंदिर सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख मंदिरों में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की.नगर की महिलाओं ने एकत्र होकर मां जगदंबा की आराधना की तथा हनुमान मंदिर और माता मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन एवं बधाई कार्यक्रम आयोजित किया. धार्मिक यात्रा हरछठ देवी माता मंदिर, मदगन वाले हनुमान मंदिर, श्री करेली धाम हनुमान मंदिर, छोटी माता मंदिर, राज मंदिर और बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर से होते हुए पुन: छोटी माता मंदिर पहुंची.

पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव के पुत्र हर्षवर्धन का निधन

नवभारत न्यूज

नटेरन. वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव के ज्येष्ठ पुत्र हर्षवर्धन श्रीवास्तव (41) का 22 जुलाई को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया. उनके निधन का समाचार मिलते ही नटेरन नगर में शोक की लहर दौड़ गई.हर्षवर्धन श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश श्रीवास्तव के भतीजे थे. उनके असामयिक निधन पर नगर के व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की.शोक संवेदना व्यक्त करने वालों ने कहा कि हर्षवर्धन श्रीवास्तव का असमय निधन परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे नगर के लिए अपूरणीय क्षति है. सभी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं.

मौन सूचना

विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए नि:शुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.

ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.

मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250

और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए

तीन बदमाश 6-6 माह के लिए जिला बदर

नवभारत न्यूज

विदिशा. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अंशुल गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर तीन आदतन अपराधियों के विरुद्ध जिला बदर के आदेश जारी किए हैं. आदेश के अनुसार प्रकाश अहिरवार, मंजीत दांगी और सूरज खटीक को छह-छह माह के लिए जिला बदर किया गया है.जारी आदेश के अनुसार प्रकाश अहिरवार (36) निवासी रंगईयापुरा, मंजीत दांगी निवासी गली नंबर-2 बरईपुरा तथा सूरज खटीक (36) निवासी ढलकपुरा, थाना कोतवाली विदिशा को विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है.जिला बदर अवधि के दौरान तीनों आरोपियों को विदिशा सहित रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ़ जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किया गया है. हालांकि, यदि इन जिलों के किसी न्यायालय में उनके राजस्व या आपराधिक प्रकरण लंबित हैं, तो वे केवल पेशी के दिन संबंधित न्यायालय में आ-जा सकेंगे. इसके लिए संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा.

विधायक ने की विकास कार्यों की समीक्षा

नवभारत न्यूज

सिरोंज 25 जुलाई, सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र के निर्माणाधीन कार्यों एवं शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की विधायक उमाकांत शर्मा ने समीक्षा की. समीक्षा बैठक में सिरोंज लटेरी क्षेत्र के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे.

बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत वितरण कंपनी, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगर पालिका, खाद्य, जल संसाधन सहित विभिन्न विभागों में चल रहे निर्माण कार्यों, हितग्राही मूलक योजना की समीक्षा की गई. इस मौके पर विधायक उमाकांत शर्मा ने विभागवार समीक्षा करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचना सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिये. उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने, अधूरे कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब ना हो, सभी अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करें तथा जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से संवाद बनाए रखें. अधिकारी योजनाओं की सतत निगरानी कर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें. उन्होंने कहा कि सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनता को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है. इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें. बैठक में नपाध्यक्ष, नपा उपाध्यक्ष, एसडीएम सिरोंज, एसडीएम लटेरी अनिल कुमार, तहसीलदार, एसडीओ पुलिस सिरोंज,लटेरी क्षेत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे.

आयोजन | महाप्रसाद, चंदन और भगवान के उतारे हुए वस्त्रों को श्रद्धा से धारण करने वाला भक्त सहज ही माया पर प्राप्त करता है विजय

रघुनाथ दास का जीवन सिखाता है सेवा, समर्पण और वैराग्य का मार्ग-श्रीमहंत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर में आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा के सातवें दिन कथा व्यास श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीजगन्नाथ का महाप्रसाद, चंदन, पुष्पमाला और उतारे हुए वस्त्र साधारण नहीं, बल्कि दिव्य स्वरूप हैं. श्रद्धा से इन्हें धारण और ग्रहण करने वाला भक्त सहज ही संसार की माया पर विजय प्राप्त कर लेता है.

उन्होंने कहा कि महाप्रभु के परम भक्त रघुनाथ दास जी का जीवन त्याग, सेवा, समर्पण और वैराग्य का अनुपम उदाहरण है. उन्होंने राजसी वैभव का त्याग कर श्रीचैतन्य महाप्रभु की शरण ग्रहण की और जगन्नाथ पुरी में भगवान की सेवा को ही जीवन का लक्ष्य बनाया. सच्चा भक्त भगवान से भोग नहीं, बल्कि सेवा का अवसर मांगता है.कथाव्यास ने स्कंद पुराण का प्रसंग सुनाते हुए सूर्यवंशी राजा इंद्रद्युम्न की भगवान जगन्नाथ के साक्षात दर्शन की तीव्र लालसा का वर्णन किया. उन्होंने बताया कि नीलांचल धाम जगन्नाथ पुरी केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और वैराग्य की जीवंत पाठशाला है, जहां भक्ति और धर्म का विशेष महत्व है.कथा में कहा गया कि जब तक मनुष्य संसार के आकर्षण में उलझा रहता है, तब तक ईश्वर की अनुभूति नहीं होती. सेवा, साधना और नाम-स्मरण से ही जीवन में शांति, संतोष और भगवान की कृपा प्राप्त होती है. कथा में मूडरीधाम महंत परशुराम दास जी महाराज एवं आचार्य पं. केशव शास्त्री भी उपस्थित रहे. रथयात्रा महोत्सव के तहत श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक किया जा रहा है.